

फ्लोटिंग रेट ऋण

प्रलिस के लिये:

[भारतीय रज़िर्व बैंक](#), समान मासिक कश्तें (EMIs), फ्लोटिंग रेट ऋण

मेन्स के लिये:

फ्लोटिंग रेट ऋण की अवधारणा, वत्तीय संस्थानों में चुनौतियाँ




चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने पारदर्शिता बढ़ाने और फ्लोटिंग रेट ऋणों के लिये **समान मासिक कश्तें** (Equated Monthly Installments-EMI) को पुनर्व्यवस्थिति करने के लिये उचित नयिम स्थापति करने हेतु एक व्यापक ढाँचा प्रस्तुत किया है।

- इसका उद्देश्य उधारकर्त्ताओं की चिंताओं को दूर करना तथा वत्तीय संस्थानों के उचित व्यवहार को सुनिश्चित करना है।

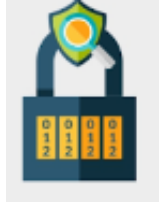
फ्लोटिंग रेट ऋण:

- फ्लोटिंग रेट ऋण ऐसे ऋण होते हैं जिनकी ब्याज दर **बैंचमार्क दर या आधार दर/बेस रेट के आधार पर समय-समय पर बदलती** रहती है।
 - आधार दर/बेस रेट वह दर है जिस पर भारतीय रज़िर्व बैंक वत्तीय संस्थानों को पैसा उधार देता है, यह दर बाज़ार द्वारा प्रभावित होती है और **रेपो रेट** इसका सबसे सामान्य उदाहरण है।
- फ्लोटिंग रेट ऋण को **परिवर्तनीय** अथवा **समायोज्य-दर ऋण** के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि ये ऋण की अवधि के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं।
- क्रेडिट कार्ड, बंधक/गरिबी रखी वस्तुओं और अन्य उपभोक्ता ऋणों** के लिये फ्लोटिंग रेट ऋण बहुत आम हैं।
- यदि भविष्य में ब्याज दरों में गिरावट का अनुमान है तो उधारकर्त्ताओं को फ्लोटिंग रेट ऋण से लाभ होता है।
 - इसके विपरीत एक निश्चित ब्याज दर वाले ऋण के लिये उधारकर्त्ता को ऋण अवधि के दौरान निर्धारित कश्तों का भुगतान करना पड़ता है। यह अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव के समय अधिक सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करता है।

निर्धारित दर (Fixed Rate)	निर्धारित दर बनाम फ्लोटिंग ब्याज दर (Fixed Rate Vs Floating Rate of Interest)	फ्लोटिंग रेट/अस्थायी दर (Floating Rate)
<p>लाभ</p> <p>बाज़ार की स्थितियों के बावजूद ब्याज दर स्थिर रहती है।</p>  <p>फिक्स्ड रेट होम लोन उन लोगों के लिये अच्छा है जो एक निश्चित मासिक पुनर्भुगतान कार्यक्रम चाहते हैं।</p>	 <p>ब्याज की निश्चित दर क्या है?</p>	<p>लाभ</p> <p>निश्चित ब्याज दरों से कम-से-कम 1-2% सस्ता।</p>  <p>दीर्घावधि में ब्याज दरें घट सकती हैं।</p>



यह नश्चितता और सुरक्षा की भावना लाता है।



कमियाँ

आमतौर पर फ्लोटिंग रेट होम लोन से 1-2.5% अधिक होता है।

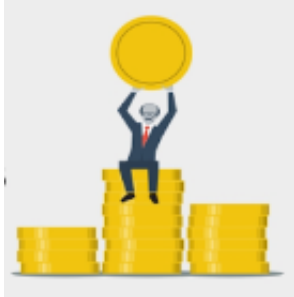
नश्चित ब्याज दर का अर्थ है ऋण की पूरी अवधि के दौरान नश्चित समान कश्तों में होम लोन का पुनर्भुगतान।

फ्लोटिंग ब्याज दर क्या है?

फ्लोटिंग ब्याज दर बाजार की स्थितियों के साथ बदलती रहती है, फ्लोटिंग ब्याज दर होम लोन, बेस रेट और फ्लोटिंग एलमेंट्स से जुड़ी होती है।



फ्लोटिंग ब्याज दरों के माध्यम से बचत होती है।



कमियाँ

मासिक कश्तों की असमान प्रकृति वित्तीय नियोजन को कठिन बना देती है।

नए पारदर्शी ढाँचे की आवश्यकता:

- **मुद्रास्फीति** को नियंत्रण में रखने के प्रयास में RBI **रेपो दरें** बढ़ाता रहा है। रेपो दरों में वृद्धि के साथ फ्लोटिंग दरें भी बढ़ जाती हैं। इसका आशय है कि उधारकर्ताओं को अधिक EMI भुगतान करना पड़ सकता है।
 - यह पाया गया है कि अधिक EMI मांगने के बजाय कुछ बैंक उधारकर्ता को सूचित किये बिना ऋण की अवधि बढ़ा रहे हैं।
 - इससे ऋण के पुनर्भुगतान में अनावश्यक रूप से अधिक समय लग रहा है तथा यह उधारकर्ताओं की उचित सहमति के बिना हो रहा है।
- उधारकर्ताओं को **इंटरनल बेंचमार्क रेट (Internal Benchmark Rate)** में बदलाव और ऋण की अवधि के दौरान होने वाली क्षति से बचना।
- उधारकर्ताओं द्वारा सामना किये जाने वाले मुद्दों जैसे- **फोरक्लोजर चार्ज (Foreclosure Charges)**, **स्वचिगि ऑप्शन (Switching Options)** और **प्रमुख नयियों एवं शर्तों** के बारे में जानकारी की कमी का समाधान करना।

RBI द्वारा प्रस्तावित ढाँचे की विशेषताएँ:

- ऋणदाताओं को अवधि और/या EMI के पुनः निर्धारण हेतु उधारकर्ताओं के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना चाहिये।
- RBI ने ऋणदाताओं से कहा है कि वे जब भी चाहें उधारकर्ताओं को **फिक्सड-रेट होम लोन (Fixed-Rate Home Loans)** पर स्वचि करने या ऋण को फोरक्लोजर (Foreclosure) करने का विकल्प प्रदान कर सकते हैं।
- बैंकों को इन विकल्पों के प्रयोग से जुड़े विभिन्न शुल्कों के बारे में पहले से ही उधारकर्ताओं को बताना होगा और उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी देनी होगी।
 - इसके परिणामस्वरूप उधारकर्ता अपने गृह ऋण का भुगतान करते समय अधिक जानकारीपूर्ण निर्णय ले सकेंगे।
- ऋणदाताओं को **उत्पीड़न, धमकी या गोपनीयता का उल्लंघन** जैसी अनैतिक या जबरदस्ती ऋण वसूली प्रथाओं में शामिल नहीं होना चाहिये।

प्रस्तावित ढाँचे से उधारकर्ताओं और ऋणदाताओं को लाभ:

- इससे उधारकर्ताओं के पास अपने फ्लोटिंग रेट ऋणों के संबंध में अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता एवं विकल्प होंगे और वे बिना किसी दंड या परेशानी के उनसे बाहर निकलने या स्वचि करने में सक्षम होंगे।
- इसके चलते उधारकर्ता ऋणदाताओं द्वारा ब्याज दरों या EMI में अनुचित या मनमाने ढंग से किये गए परिवर्तन से सुरक्षित रहेंगे और अपने वित्त की बेहतर योजना बनाने में सक्षम होंगे।
- इसके कारण उधारकर्ताओं के साथ ऋणदाता सम्मानपूर्वक व्यवहार करेंगे और ऋण वसूली के दौरान उन्हें उत्पीड़न या दुरव्यवहार का सामना

नहीं करना पड़ेगा।

- इसके द्वारा ऋणदाता अच्छे ग्राहक संबंध और विश्वास बनाए रखने में सक्षम होंगे एवं अनुचित ऋण आचरण के कारण प्रतष्ठिता को जोखिम या कानूनी कार्रवाई से बच सकेंगे।
- इससे ऋणदाता अपनी परसिपत्त गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन में सुधार एवं नयामक मानदंडों व अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/floating-rate-loans>

